RNI No. CHHHIN/2017/74986 Postal Regd. No. C.G./RYPDN/95/2018-20

छत्तीसगढ़ कृषि वानिकी

हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष-6, अंक-07, मई-2023 मूल्य- 50 रूपये

Empowering Plants is Empowering Us, इस संकल्पना पर विश्वास कर मनुष्य के स्वास्थ्य का तारतम्य मिट्टी और पौधों के साथ देखना एक ऑर्गेनाइजेशन की दूरदृष्टि है : साइटोलाइफ एग्रीटेक प्रा लि, मुंबई !

साइटोलाइफ ने अपना प्रथम बिजनेस असोशीएट मीटिंग दिनाँक 22 अप्रैल,2 023अ क्षयत ृतीयाक ेर ायपुरके होटल सायाजी में संपादित किया ! इस कार्यक्रम में छग के सभी प्रमुख कृषि आदान वितरक व अन्य कृषि जगत के गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित थे !

साइटोलाइफ के सीईओ डॉ अमित त्रिपाठी ने कंपनी की विस्तृत कार्ययोजना को प्रेजेंट किया और कंपनी के विभिन्न बिजनेस आयामों को भी बताया जिसमें अग्री-डाइगनोस्टिक के साथ अग्री-इनपुटस की अनुसंसा तथा अन्य ग्लोबल कृषि तकनिकियाँ भी भारत में आ रही हैं जो किसानों के लिए बहुत लाभदायी होंगी !

श्री डी के चोपड़ा, प्रमुख मार्गदर्शक साइटोलाइफ (कृषि जगत की जाने माने व्यक्तित्व) ने अपने बक्तव्य में कंपनी के विजन व मिशन को मानवता और पर्यावरण के बीच एक संतुलन के साथ कार्य करने वाली योजना बताया !

डॉ जी पी पांडे (से. अपर संचालक कृषि) ने कृषि वितरकों की महत्वपूर्ण भूमिका, जहां व्यापार और किसान हित एक साथ ही साधन होता हैं पर व्याख्यान दिया ! श्री आर यस तिवारी (प्रांत प्रबंधक इफको) ने कृषि में समन्वितप ोषणप बंधनप रअ पनेअ नुभवव विचार व्यक्त किए ! डॉ शिवलिंगम, वरिष्ठ वैज्ञानिक ICAR – NIBSM भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थित दिए !

साइटोलाइफ के इस कार्यक्रम में माननीय कृषि मंत्री, कुलपति व संचालक ICAR – NIBSM तथा संचालक DKMA (पूर्व कृषि आयुक्त भारत सरकार) ने अपने बधाई संदेश पत्र प्रेषित किए !

सभी वितरक बंधुओं ने साइटोलाइफ की कार्यशैली व परिणामोन्मुख वैज्ञानिक उत्पादों को भी खूब सराहा !

पानी हे जिनगानी

फोकट झन बोहावव जी पानी।
इही तो सबके हावय जिनगानी।।
चिरई चिरगुण अऊ सबो परानी।
नइ बाँचे कोनो हा जी बिन पानी।।

रुख राई के घलो जड़ हा सुखाथे।
पानी बिना सबो के जीव मर जाथे।।
खुला झन छौंड़व जी नल के चोंटी।
पानी बर तरस जहु एक-एक खाँची।।

झन अँटावव तरीया अऊ डबरी।
नइ मिलही पानी हा एको गगरी।।
राखव जतन के कुँआ के पानी ला।
इही बँचाही सबो के जिनगानी ला।।

चन्नी कस छेदा होगे धरती दाई।
कइसे होही जी अब हमर भलाई।।
बूंद-बूंद बर तरस खाबो सब परानी।
नइ बाँचही जब एको बूंद जी पानी।।

रचनाकार :
गोकुल राम साहू
धुरसा-राजिम(घटारानी)
जिला-गरियाबंद(छत्तीसगढ़)
मो.9009047156

पृष्ठ १४ का शेष भाग.....

लैंड स्केप की रूप-रेखा तैयार करने में उपयोगी है। पादप वर्गीकरण में पौधों, फूलों एवं पत्तियों का पहचान करने हेतु फाइल तैयार करने में उपयोग किया जाता है।

फूल, पत्तियों तथा अन्य भागों का निर्जलीकरण करके तथा इनसे तैयार सजावटी सामग्री का बाजार में विक्रय कर रोजगार के अवसरों को बढ़ाया जा सकता है जिससे पुष्प खेती को बढ़ावा देकर कृषकों